इस्पात मंत्रालय

मांग संख्या 92

इस्पात मंत्रालय

क. वसूलियॉ और प्राप्तियॉ को घटाने के बाद बजट आबंटन इस प्रकार है:

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2010-2011			बजट 2011-2012			संशोधित 2011-2012			बजट 2012-2013		
		आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
	राजस्व	27.05	67.77	94.82	39.00	70.76	109.76	29.00	204.94	233.94	46.00	69.29	115.29
	पूंजी	**...**	...	...	*1.00*	...	*1.00*	*1.00*	...	*1.00*	...	...	...
	जोड़	**27.05**	**67.77**	**94.82**	**40.00**	**70.76**	**110.76**	**30.00**	**204.94**	**234.94**	**46.00**	**69.29**	**115.29**
1. सचिवालय- आर्थिक सेवाएं	3451	...	18.31	18.31	...	20.37	20.37	...	17.54	17.54	...	20.00	20.00
लौह तथा इस्पात उद्योग													
2. लौह और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के संवर्द्धन की योजना	2852	27.05	...	27.05	39.00	...	39.00	29.00	...	29.00	44.00	...	44.00
3. निम्न श्रेणी के लौह अयस्क और अयस्क चूर्ण के लाभार्थ और संकुलन के संवर्धन की योजना	2852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	1.00	...	1.00
4. द्वितीयक इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा दक्षता का सुधार योजना	2852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	1.00	...	1.00
5. सब्सिडी													
5.01 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए जुटाए गए ऋणों के संबंध में हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को ब्याज सब्सिडी	2852	...	44.95	44.95	...	46.90	46.90	...	46.90	46.90	...	46.90	46.90
5.02 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से लिए गए ऋणों के संबंध में मैकॉन लिमिटेड को ब्याज सब्सिडी	2852	...	3.88	3.88	...	2.83	2.83	...	2.71	2.71	...	1.64	1.64
जोड़- सब्सिडी		...	*48.83*	*48.83*	...	*49.73*	*49.73*	...	*49.61*	*49.61*	...	*48.54*	*48.54*
6. गारंटी शुल्क माफ करना													
6.01 हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड	2852	...	6.10	6.10	...	6.10	6.10	...	6.10	6.10	...	6.10	6.10
6.02 मैकॉन लिमिटेड	2852	...	1.20	1.20	...	0.85	0.85	...	0.85	0.85	...	0.50	0.50
6.03 घटाइए – निवल प्राप्तियां	0075	...	-7.30	-7.30	...	-6.95	-6.95	...	-6.95	-6.95	...	-6.60	-6.60
कुल		...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
7. बर्ड ग्रुप ऑफ कम्पनीज के तहत बिसरा स्टोन लाइम कंपनी लि. को अनुदान	2852	...	...	...	...	...	...	...	137.09	137.09	...	...	...
8. अन्य कार्यक्रम	2852	...	0.63	0.63	...	0.66	0.66	...	0.70	0.70	...	0.75	0.75
जोड़-लौह तथा इस्पात उद्योग		**27.05**	**49.46**	**76.51**	**39.00**	**50.39**	**89.39**	**29.00**	**187.40**	**216.40**	**46.00**	**49.29**	**95.29**
9. सरकारी उद्यमों में निवेश	6852	...	...	...	1.00	...	1.00	1.00	...	1.00	...	...	...

http://indiabudget.nic.in

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2010-2011			बजट 2011-2012			संशोधित 2011-2012			बजट 2012-2013		
		आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
कुल जोड़		***27.05***	***67.77***	***94.82***	***40.00***	***70.76***	***110.76***	***30.00***	***204.94***	***234.94***	***46.00***	***69.29***	***115.29***
	विकास शीर्ष	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़
ख. सार्वजनिक उद्यम में निवेश													
9.01 भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड	12852	...	11280.00	11280.00	...	14337.00	14337.00	...	12630.00	12630.00	...	14500.00	14500.00
9.02 राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	12852	...	2901.99	2901.99	...	3046.00	3046.00	...	1964.50	1964.50	...	1942.00	1942.00
9.03 हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड	12852	...	...	...	1.00	...	1.00	1.00	...	1.00	...	...	...
9.04 राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड	12852	...	700.29	700.29	...	3309.00	3309.00	...	2020.00	2020.00	...	4655.00	4655.00
9.05 कुद्रेमुख लौह अयस्क कंपनी लिमिटेड	12852	...	60.83	60.83	...	98.00	98.00	...	75.00	75.00	...	409.00	409.00
9.06 मैगनीज ओर इंडिया लिमिटेड	12852	...	37.20	37.20	...	107.71	107.71	...	114.88	114.88	...	208.00	208.00
9.07 बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज	12852	...	74.86	74.86	...	136.00	136.00	...	3.75	3.75	...	...	...
9.08 मैकॉन लिमिटेड	12852	...	1.79	1.79	...	2.00	2.00	...	2.00	2.00	...	5.00	5.00
9.09 एमएसटीसी लिमिटेड	12852	...	...	...	...	15.00	15.00	...	5.00	5.00	...	25.00	25.00
9.10 फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	12852	...	10.58	10.58	...	12.00	12.00	...	12.00	12.00	...	12.00	12.00
जोड़		**...**	**15067.54**	**15067.54**	**1.00**	**21062.71**	**21063.71**	**1.00**	**16827.13**	**16828.13**	**...**	**21756.00**	**21756.00**
ग. योजना परिव्यय													
1. लोहा और इस्पात उद्योग	12852	27.05	15067.54	15094.59	40.00	21062.71	21102.71	30.00	16827.13	16857.13	46.00	21756.00	21802.00

1. **सचिवालय:** प्रावधान इस्पात मंत्रालय के सचिवालय व्यय को पूरा करने के लिए है।

2. **लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की संवर्धन स्कीम::** पर्यावरण के अनुकूल गुणवत्तापरक इस्पात के किफायती उत्पादन के लिए अभिनव/उत्कृष्ट प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु अनुसंधान एवं विकास कार्यों को बढ़ावा देने और इनमें तेजी लाने के लिए प्रावधान किया गया है।

3. **निम्न ग्रेड के लौह अयस्क और अयस्क फाइंस के संचयन और बेनिफिसिएशन को बढ़ावा देने की स्कीम::** निम्न ग्रेड के लौह अयस्क और अयस्क फाइंस के संचयन और बेनिफिसिएशन को बढ़ावा देने के लिए इस्पात मंत्रालय की स्कीम।

4. **गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा दक्षता में सुधार करने की स्कीम:** गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा दक्षता में सुधार करने के लिए इस्पात मंत्रालय की नई स्कीम।

5. **आर्थिक सहायताऐं:**

5.01. **हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड:** स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान के लिए।

5.02. **मेकॉन लिमिटेड:** स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए कंपनी द्वारा बैंकों/न्यासों से जुटाए गए ऋणों/बॉंडों पर 50 प्रतिशत ब्याज के भुगतान के लिए।

6. **गारंटी शुल्क को माफ किया जाना:**

http://indiabudget.nic.in

6.01. **हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड:** नकद ऋण और बैंक गारंटी तथा स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी पर गारंटी शुल्क माफ करने के लिए। इनका मिलान प्राप्तियों से किया गया है।

6.02. **मेकॉन लिमिटेड:** स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों/ न्यासों से जुटाए गए ऋणों/बाँडों के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी पर गारंटी शुल्क माफ करने के लिए। इनका मिलान प्राप्तियों से किया गया है।

8. **अन्य कार्यक्रम:** इसमें लोहा एवं इस्पात विकास आयुक्त, कोलकाता कार्यालय जो कि मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय है के स्थापना व्यय और प्रसिद्ध धातुकर्मियों को दिए जाने वाले वार्षिक पुरस्कारों का प्रावधान शामिल हैं। यद्यपि लोहा एवं इस्पात विकास आयुक्त का कार्यालय और इसके 4 क्षेत्रीय कार्यालय दिनांक 23.5.2003 से बंद कर दिए गए हैं फिर भी शेष स्टॉफ के वेतन और अन्य प्रशासनिक खर्चों का प्रावधान किया गया है क्योंकि डीओपीटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार अधिशेष कर्मचारी तब तक अपने वेतन का आहरण करते रहेंगे जब तक कि वे दूसरे पदों पर नियुक्त होते हैं अथवा वे अधिवर्षिता/त्याग पत्र/स्वैसच्छिक सेवा निवृत्ति पर कार्यालय छोड़ देते हैं।

9. **सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में निवेश:** इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा विभिन्न पूंजीगत स्कीमों के क्रियान्वयन के लिए प्रावधान किया गया है। यद्यपि सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकतर उद्यम स्कीमों के पूंजीगत व्ययों को अपने आंतरिक एवं बाह्य संसाधनों से पूरा करते हैं फिर भी वित्तीय दृष्टि से कमजोर कुछेक उद्यमों को इक्विटी निवेश और ऋणों के जरिए बजटीय सहायता प्रदान की जाती है।

9.01. **स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड:** इसके 5 प्रमुख इस्पात संयंत्र हैं जो बोकारो, भिलाई, राउरकेला, दुर्गापुर एवं सेलम में स्थित हैं और मिश्र इस्पात संयंत्र दुर्गापुर में स्थित है। 16.2.2006 से इंडियन आयरन एंड स्टील कंपनी (इस्को) जिसका एकीकृत इस्पात संयंत्र बर्नपुर में है और जो सेल की सहायक कंपनी थी, का सेल में विलय कर दिया गया है तथा इसे इस्को स्टील प्लांट नाम दिया गया है। महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मेल्ट लिमिटेड जो फैरो मिश्र का उत्पादन करती है, सेल की एक मात्र सहायक कंपनी है। भारत रिफैक्ट्रीज लिमिटेड जो कि इस मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र का एक उद्यम है का विलय भी सेल के साथ किया गया है और इसका नाम अब सेल रिफैक्ट्रीज लिमिटेड है। सेल संयंत्रों/इकाइयों और इसकी सहायक कंपनियों के योजना परिव्यय को सेल के आंतरिक और बाह्य बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

(i) भिलाई स्टील प्लांट: कुल परिव्यय (4717.00 करोड़ रूपए) का अधिकांश भाग अर्थात 4465.00 करोड़ रूपए संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए है। शेष परिव्यय अन्य स्कीमों यथा एचएजीसी की स्थापना, प्लेट मिल में पीवीआर, हॉट मेटल डिसल्फ्राइजेशन यूनिट, स्लैब कास्टर, आरएच डिगेस्सर, माइनिंग रेलवे ट्रैक – रावघाट और अन्य चल रही एवं नई स्कीमों के लिए है।

(ii) दुर्गापुर स्टील प्लांट: 1215.00 करोड़ रूपए के कुल परिव्यय में से 1100.00 करोड़ रूपए संयंत्र के विस्तार हेतु निर्धारित किए गए हैं। परिव्यय के तहत शामिल अन्य स्कीमों में बीएफ में बेल लेस टॉप चार्जिंग सिस्टंम की स्थापना, कांगड़ा में स्टील प्रोसेसिंग यूनिटों और अन्यस छोटी स्कीमों के व्यय भी इसमें शामिल हैं।

(iii) राउरकेला स्टील प्लांट: परिव्यय में शामिल बड़ी स्कीम में आरएसपी का विस्तार (3200.00 करोड़ रूपए) किया जाना है। अन्य स्कीमों के रूप में सीओबी संख्या-4 का पुनर्निर्माण, 700 टीपीडी ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना, जगदीशपुर स्टील परियोजना और अन्य चल रही व नई योजनाएं शामिल हैं।

(iv) बोकारो स्टील प्लांट: 1980.00 करोड़ रूपए के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें से 1540.00 करोड़ रूपए बोकारो प्लांट के विस्तार के लिए है तथा शेष धनराशि में सीओबी संख्या-1 व 2 का पुनर्निर्माण, टर्बो ब्लोअर स्टेशन में टी बी की स्थापना, बीएफ-2 का उन्नयन, बेतिया में स्टील प्रोसेसिंग यूनिट और अन्य चल रही एवं नई स्कीमें शामिल हैं।

(v) इस्को स्टील प्लांट: प्लांट हेतु 2615.00 करोड़ रूपए का कुल परिव्यय आबंटित किया गया है। परिव्यय का अधिकांश भाग आई एस पी के विस्तार (2550.00 करोड़ रूपए) और सी ओ बी संख्या 10 के पुनर्निर्माण के लिए निर्धारित है तथा शेष धनराशि चल रही एवं नई स्कीमों के लिए है।

(vi) अलॉय स्टील प्लांट 20.00 करोड़ रूपए के परिव्यय में विभिन्न पूरी की गई स्कीमें तथा छोटी चल रही स्कीमें शामिल हैं।

(vii) सेलम स्टील प्लांट 75.00 करोड़ रूपए के कुल परिव्यय का आबंटन किया गया है। परिव्यय का अधिकांश भाग एसएसपी के विस्तार (67.00 करोड़ रूपए) के लिए है और शेष धनराशि कम लागत वाली विविध स्कीमों के लिए है।

(viii) विश्वसरैया आयरन एंड स्टील लिमिटेड: परिव्यय में कम मूल्य वाली विविध स्कीमें शामिल हैं।

(ix) उत्पादन और लोडिंग क्षमता में विस्तार के संबंध में विभिन्न् स्कीमों में कच्चा माल प्रभाग हेतु 340.00 करोड़ रूपए आवंटित किए गए हैं।

9.02. **राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड:** प्रमुख कच्ची सामग्री के स्रोतों से दूर और तत्कालीन सोवियत रूस से तकनीकी और वित्तीय सहायता से स्थापित भारत का यह पहला तट आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। तट आधारित होने के कारण इसका फायदा है कि यह आदान सामग्री का आयात और तैयार उत्पादों का निर्यात आसानी से कर सकता है। इस परियोजना की सभी इकाइयों को जुलाई, 1992 तक चालू कर दिया गया था। आर आई एन एल की उत्पादन क्षमता में विस्तार, ए एम आर स्कीमों, कोक ओवन बैटरी सं. 4 (चरण-1 और 2), एयर सेपरेशन प्लांट, लौह अयस्क् भंडारण की सुविधा, विद्युत प्रणाली का सशक्तीकरण एवं विस्तार, बीएफ-1 श्रेणी-1 मरम्मत कार्य, सिंटर प्लांट की उत्पाकदकता में विस्तार, पुलवेराइज्ड कोल इन्जेक्शन, लौह अयस्क खानों एवं कोकिंग कोल खानों का अधिग्रहण, 67.5 मेगावाट क्षमता की टी जी-5 विद्युत निकासी प्रणाली इत्यादि के

http://indiabudget.nic.in

लिए 1942.00 करोड़ रूपए का परिव्यतय निर्धारित किया गया है। समस्त परिव्यय को कंपनी के आंतरिक एवं बाह्य संसाधनों से पूरा किया जाएगा।

9.03. **हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड:** 1964 में निगमित इस कंपनी को आधुनिक इस्पात संयंत्रों का पूरा निर्माण कार्य करने और अवसंरचना के क्षेत्र में उन परियोजनाओं से संबंधित कार्य करने की विशेषज्ञता हासिल है जिनके लिए उच्च स्तर की आयोजना, समन्वय और आधुनिकतम प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता होती है। एचएससीएल के लिए किसी योजना परिव्यतय का प्रस्ताव नहीं किया गया है। इस पीएसयू की पुनर्संरचना करने पर सरकार विचार कर रही है।

9.04. **एनएमडीसी लिमिटेड:** एनएमडीसी देश का लौह अयस्क और हीरों का एक मात्र सबसे बड़ा उत्पादक है। कंपनी फैरिक ऑक्साइड और लौह चूर्ण आदि जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन भी शुरू कर रही है। 4655.00 करोड़ रूपए के कुल योजना परिव्यय का अधिकांश भाग अर्थात 3513.00 करोड़ रूपए को छत्तीसगढ़ में 3 मिलियन टन के इस्पात संयंत्र के लिए निर्धारित किया गया है। योजना परिव्यय की शेष धनराशि में बैलाडिला डिपाजिट 11 बी, कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना, दौणिमल्लै में पेलेटाइजेशन प्लांट, ए एम आर/ टाउनशिप तथा देश और विदेश में कारोबार का विकास और अधिग्रहण/विलय इत्यादि शामिल हैं।

9.05. **केआईओसीएल लिमिटेड:** केआईओसीएल लिमिटेड की स्थापना ईरान को निर्यात किए जाने हेतु लौह अयस्क सांद्रण का उत्पादन करने के लिए की गई थी। ईरान द्वारा करार के अनुसार लौह अयस्क सांद्रण को लेने की असमर्थता के परिणामस्वरूप 3 मिलियन टन सांद्रण का उपयोग करने के लिए एक पैलेट संयंत्र लगाने को मई, 1981 में मंजूर किया गया था। 116.65 करोड़ रूपए की लागत से कार्यान्वित हुई इस परियोजना में वाणिज्यिक उत्पादन अप्रैल, 1987 में शुरू किया गया था। तथापि, माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार कंपनी को कुद्रेमुख में दिनांक 31.12.2005 से खनन कार्य रोकना पड़ा था। 409 करोड़ रूपए का योजना परिव्यय मुख्यत: एएमआर स्कीमों, कोक ओवन संयंत्र, मंगलूर में स्थाई रेलवे साइडिंग विकसित करने और भारी सामान की हैंडलिंग संबंधी सुविधाओं के निर्माण के लिए किया गया है। अनुसंधान एवं विकास/व्यवहार्यता अध्ययन इत्यादि अन्य स्कीमों के रूप में परिव्यय मे शामिल की गई हैं। परिव्यय को कंपनी के आई एंड ईबीआर से पूरा किया जा रहा है।

9.06. **मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड:** मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड भारत सरकार और मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र सरकार के संयुक्त स्वामित्व वाली कंपनी है। यह देश की मैंगनीज अयस्क की सबसे बड़ी उत्पादक है। लाभप्रदता में सुधार करने के लिए कंपनी ने इलैक्ट्रोलाइटिक मैंगनीज डाईऑक्साइड और फैरो मैंगनीज जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों का उत्पादन शुरू किया है। परिव्यय का अधिकांश भाग फैरो मैंगनीज/सिलिको मैंगनीज प्लांट के लिए सेल के साथ संयुक्त उद्यम में निवेश करने (50 करोड़ रूपए), बोबली में फैरो मैंगनीज प्लांट के लिए आरआईएनएल के साथ संयुक्त उद्यम में निवेश करने (20 करोड़ रूपए), मनसार, चीकला और उकवा खान में वर्टिकल शॉफ्ट स्थापित करने, एएमआर स्कीमों, टाउनशिप, अनुसंधान एवं विकास/व्यवहार्यता अध्ययन इत्यादि के लिए आबंटित किया गया है। पूरे परिव्यय को कंपनी के आई एंड ईबीआर से पूरा किया जाएगा।

9.07. **बर्ड ग्रुप कंपनियां:** अक्टूबर, 1980 में भारत सरकार द्वारा अधिग्रहीत बर्ड ग्रुप कंपनियां प्रमुख रूप से खनन से संबंधित कार्य और गहरे नल कूप लगाने तथा खनिज गवेषण से संबंधित कार्य कर रही हैं। भारत सरकार ने बर्डग्रुप कंपनियों के पुनर्संरचना प्रस्ताव को दिनांक 10.9.2009 को अनुमोदन प्रदान कर दिया है और मैसर्स बर्डग्रुप और इसकी गौण कंपनी नामत: बिसरा स्टोन लाईम कंपनी लिमिटेड की पुनर्संरचना करने के बाद आरआईएनएल ने उडीसा मिनरल्स डेवलपमेंट लिमिटेड और इस्टर्न इन्वेस्टेमेंट लिमिटेड का अधिग्रहण कर लिया है। इसलिए अलग से किसी योजना परिव्यय का प्रावधान नहीं किया गया है

9.08. **मेकॉन लिमिटेड:** यह आईएसओ: 9001 प्राप्त देश का प्रथम परामर्शदात्री और इंजीनियरी संगठन है। यह कंपनी न केवल बेसिक इंजीनियरी, विस्तृत इंजीनियरी, परियोजना प्रबंधन आदि के क्षेत्र में परामर्शी सेवाएं प्रदान करती है अपितु इसने लौह, अलौह, तेल एवं गैस, पेट्रो-रसायन और अन्य सामान्य उद्योगों के लिए उपस्करों के डिजाइन और उनकी आपूर्ति में पर्याप्त विशेषज्ञता भी विकसित कर ली है। 5.00 करोड़ (आईईबीआर) रूपए के योजना परिव्यय में विभिन्न स्थानों में कार्यालय परिसर/अतिथि गृह का विस्तार और नवीनीकरण शामिल है।

9.09. **एम एस टी सी लिमिटेड:** यह कंपनी भारत सरकार की एक व्यापारिक कंपनी है जो फैरस स्क्रैप और एकीकृत इस्पात संयंत्रों में उत्पादन के दौरान उत्पन्न अन्य गौण सामग्रियों के निपटान तथा अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और सरकारी विभागों के स्क्रैप और अधिशेष भंडारों के निपटान का कार्य करती है। माध्यमीकरण समाप्त कर दिए जाने के पश्चात् कंपनी के पास कोई माध्यमीकृत मद नहीं है और यह निजी क्षेत्र के साथ प्रतिस्पर्धा में वास्तविक उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुसार अन्य मदों के साथ-साथ स्क्रैप का आयात करती है। श्रेडिंग प्लांट एवं माइनिंग विकास के लिए निर्धारित 25 करोड़ रूपए के योजना परिव्यय को कंपनी के आंतरिक एवं बाह्य बजटीय संसाधनों से पूरा किया जाना है।

9.10. **फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड:** एफएसएनएल एमएसटीसी लि. की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी बन गई है। कंपनी दुर्गापुर, राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, विशाखापट्टणम और डोल्वी में स्थित इस्पात संयंत्र से स्क्रैप की प्राप्ति और प्रक्रमण का कार्य करती है। स्लैग के प्रक्रमण और डम्पों से लोहे और इस्पात के पुन: संसाधन हेतु कंपनी को विभिन्न प्रकार के उपस्करों और आधुनिक प्रौद्योगिकी पर निर्भर होना पड़ता है। योजना परिव्यय ए एम आर योजनाओं से संबंधित व्यय को पूरा करने के लिए है जिसे कंपनी के आंतरिक और बाह्य बजटीय संसाधनों से पूरा किया जाएगा।

http://indiabudget.nic.in